NEWS CLIPPING:25.11.2022

THE IMPRESSIVE TIME

JC BOSE UNIVERSITY INKS PACT WITH PU FOR RESEARCH PROMOTION

FARIDABAD: To promote Research and Development, Innovation, and Training in the emerging areas of Engineering, Sciences, and other allied areas, JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad has signed a memorandum of understanding (MoU) with the Panjab University (PU), Chandigarh The MoU was signed in the gracious presence of the Vice-Chancellor of JC Bose University Prof. Sushil Kumar Tomar and the Vice-Chancellor of Panjab University Prof Raj Kumar. Dean Institutions, Prof. Sandeep Grover, Director, Research and Development Prof. Naresh Chauhan, Registrar Dr. S.K. Garg, Dr. K.S. Arya and Chairpersons of various teaching departments were also present on this occasion. Expressing pleasure over the academic tie-up, Vice-Chancellor Prof. Tomar said that the MoU will provide a platform to the faculty members, researchers, and students of the University to work on collaborative projects in mutual cooperation with Panjab University, and it will benefit both the Universities. Through these academic tie-ups, the University's aim is to promote..

NEWS CLIPPING:25.11.2022

DAINIK BHASKAR

पीयू व बोस यूनिवर्सिटी मिलकर करेंगे इंजीनियरिंग और साइंस रिसर्च

चंडीगढ़| पंजाब यूनिवर्सिटी और जेसी बोस यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी फरीदाबाद अब इंजीनियरिंग और साइंस के एरिया में मिलकर रिसर्च प्रोजेक्ट करेंगे। फैकेल्टी मेंबर्स, रिसर्चर और स्टूडेंट्स के आदान-प्रदान के साथ-साथ दोनों यूनिवर्सिटीज के बीच इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर भी समझौता हुआ है। पीयू के वाइस चांसलर प्रो. राजकुमार और जेसी बोस यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. एस के तोमर ने इसके लिए मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग पर साइन किए। प्रो. तोमर इसी यूनिवर्सिटी में परमानेंट फैकल्टी हैं। सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन लैबोरेट्री के कार्यकारी निदेशक प्रो. गंगाराम चौधरी, यूआईईटी से प्रो. कृष्ण कुमार सलूजा और डॉ. नरेश कुमार ने संभावित जॉइंट प्रोजेक्ट्स को लेकर जेसी बोस यूनिवर्सिटी के अधिकारियों से मीटिंग की।

पीयू और जेसी बोस यूनिवर्सिटी के वीसी ने मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर साइन किए।

NEWS CLIPPING:25.11.2022

AAJ SAMAJ

करार

जेसी बोस विश्वविद्यालय और पंजाब विश्वविद्यालय के बीच समझौता

दोनों विवि अनुसंधान, नवाचार व प्रशिक्षण गतिविधियों पर काम करेंगे

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। इंजीनियरिंग, विज्ञान तथा अन्य संबद्ध उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास, नवाचार तथा प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फरीदाबाद के जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए ने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यहां आयोजित एक कार्यक्रम में जेसी बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर और पंजाब विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किये गए। इस अवसर पर जेसी बोस विश्वविद्यालय से डीन इंस्टीट्यूशन्स प्रो. संदीप ग्रोवर, निदेशक (आर एंड डी) प्रो. नरेश चैहान, कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, डॉ. केएस आर्य सहित विभिन्न शिक्षण विभागों के अध्यक्ष भी उपस्थित थे। कुलपति प्रो. तोमर ने अकादमिक समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस समझौता से विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों को पंजाब विश्वविद्यालय की सहभागिता में शोध परियोजनाओं पर काम करने के लिए अवसर मिलेगा, जिससे दोनों विश्वविद्यालयों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की

साथ में दोनों विश्वविद्यालय के अधिकारीगण। आज समाज

अकादमिक सहभागिता के माध्यम से विश्वविद्यालय का उद्देश्य अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है ताकि शोधकर्ताओं के लिए उभरते क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान करने के ज्यादा से ज्यादा अवसर सृजित हो। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. राज कुमार ने उद्योग एवं अकादमिक संपर्क को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जेसी बोस विश्वविद्यालय औद्योगिक केंद्र में स्थित है। यह उद्योग से जुड़ी अनुसंधान परियोजनाओं को आसानी से हासिल कर सकता है, जिससे दोनों विश्वविद्यालय को ऐसी परियोजनाओं पर मिलकर काम करने का अवसर मिलेगा और उद्योग को समाधान प्रदान करने के लिए दोनों परस्पर विशेषज्ञता को साझा कर सकते हैं। प्रो.राज कुमार ने जेसी विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए पंजाब विश्वविद्यालय में खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाने की पेशकश की। उन्होंने कहा कि पंजाब विश्वविद्यालय खेलों में अग्रणी है और यहां विश्व स्तरीय खेल सुविधाएं हैं। जेसी बोस विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने के लिए पंजाब विश्वविद्यालय तैयार है। इससे पहले कुलपति प्रो. तोमर ने पीयू के कुलपति प्रो. राज कुमार का पुष्प गुच्छ एवं चित्र भेंट कर स्वागत किया।

पीयू के कुलपति प्रो. राज कुमार ने भी प्रो. तोमर को पंजाब विश्वविद्यालय की ओर से स्मारक चिह्न भेंट किया। इस अवसर पर पंजाब विश्वविद्यालय से सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन लेबोरेटरी के निदेशक प्रो. गंगा राम चैधरी, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी से प्रो. कृष्ण कुमार सलूजा और डॉ. नरेश कुमार ने जेसी बोस विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ बैठक की।

NEWS CLIPPING:25.11.2022

GURGAON MAIL

अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए जे.सी. बोस विश्वविद्यालय और पंजाब विश्वविद्यालय के बीच समझौता

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

फरीदाबाद, 24 नवंबर। इंजीनियरिंग, विज्ञान तथा अन्य संबद्ध उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास, नवाचार तथा प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फरीदाबाद के जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए ने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यहां गुरुवार आयोजित एक कार्यक्रम में जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर और पंजाब विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किये गए।

इस अवसर पर जे.सी. बोस विश्वविद्यालय से डीन इंस्टीट्यूशन्स प्रो. संदीप ग्रोवर, निदेशक (आर एंड डी) प्रो. नरेश चैहान, कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग, डॉ. के. एस. आर्य सहित विभिन्न शिक्षण विभागों के अध्यक्ष भी उपस्थित थे। कुलपति प्रो. तोमर ने अकादमिक समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस समझौता से विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों को पंजाब विश्वविद्यालय की सहभागिता में शोध परियोजनाओं पर काम करने के लिए अवसर मिलेगा, जिससे दोनों विश्वविद्यालयों को लाभ होगा।

उन्होंने कहा कि इस तरह की अकादमिक सहभागिता के माध्यम से विश्वविद्यालय का उद्देश्य अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है ताकि शोधकर्ताओं के लिए उभरते क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान करने के ज्यादा से ज्यादा अवसर सृजित हो। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. राज कुमार ने उद्योग एवं अकादमिक संपर्क को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय औद्योगिक केंद्र में स्थित है।

यह उद्योग से जुड़ी अनुसंधान परियोजनाओं को आसानी से हासिल कर सकता है, जिससे दोनों विश्वविद्यालय को ऐसी परियोजनाओं पर मिलकर काम करने का अवसर मिलेगा और उद्योग को समाधान प्रदान करने के लिए दोनों परस्पर विशेषज्ञता को साझा कर सकते हैं। इस अवसर पर पंजाब विश्वविद्यालय से सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन लेबोरेटरी के निदेशक प्रो. गंगा राम चैधरी, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी से प्रो. कृष्ण कुमार सलूजा और डॉ. नरेश कुमार ने जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ बैठक की तथा अनुसंधान एवं परस्पर सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा की।

समझौते के उद्देश्यों को पूरा करने दोनों विश्वविद्यालयों द्वारा समन्वयकों की नियुक्ति भी की गई है जोकि सहयोगी गतिविधियों के विकास और संचालन को देखेंगे। विश्वविद्यालय के समन्वयक वार्षिक आधार पर सहयोगी गतिविधियों की समीक्षा करेंगे और रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

NEWS CLIPPING:25.11.2022

PUNJAB KESARI

अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए जे.सी. बोस विश्वविद्यालय और पी.यू. के बीच समझौता

- अनुसंधान, नवाचार तथा प्रशिक्षण गतिविधियों पर मिलकर काम करेंगे दोनों विश्वविद्यालय

चंडीगढ़, 24 नवम्बर (रश्मि हंस) : इंजीनियरिंग, विज्ञान तथा अन्य संबद्ध उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास, नवाचार तथा प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फरीदाबाद के जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाई.एम.सी.ए. ने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कार्यक्रम में जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के वी.सी. प्रो. सुशील कुमार तोमर और पी.यू. वी.सी. प्रो. राज कुमार की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर जे.सी. बोस विश्वविद्यालय से डीन इंस्टीट्यूशन्स प्रो. संदीप ग्रोवर, निदेशक (आर एंड डी) प्रो. नरेश चैहान, कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग, डॉ. के. एस. आर्य सहित विभिन्न शिक्षण विभागों के अध्यक्ष भी उपस्थित थे।

वी.सी. प्रो. तोमर ने अकादमिक समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस समझौता से विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों को पी.यू. की सहभागिता में शोध परियोजनाओं पर काम करने के लिए अवसर मिलेगा। जिससे दोनों विश्वविद्यालयों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की अकादमिक सहभागिता के माध्यम से विश्वविद्यालय का उद्देश्य अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है ताकि शोधकर्ताओं के लिए उभरते क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान करने के ज्यादा से ज्यादा अवसर सृजित हो।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. राज कुमार ने उद्योग एवं अकादमिक संपर्क को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय औद्योगिक केंद्र में स्थित है। यह उद्योग से जुड़ी अनुसंधान परियोजनाओं को आसानी से हासिल कर सकता है, जिससे दोनों विश्वविद्यालय को ऐसी परियोजनाओं पर मिलकर काम करने का अवसर मिलेगा और उद्योग को समाधान प्रदान करने के लिए दोनों परस्पर विशेषज्ञता को साझा कर सकते हैं। प्रो. राज कुमार ने जे.सी. विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए पंजाब विश्वविद्यालय में खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाने की पेशकश की।

NEWS CLIPPING:25.11.2022

PIONEER

जेसी बोस और पंजाब विश्वविद्यालय के बीच समझौता

फरीदाबाद। इंजीनियरिंग, विज्ञान तथा अन्य संबद्ध उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास, नवाचार तथा प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फरीदाबाद के जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए ने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यहां आयोजित एक कार्यक्रम में जेसी बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर और पंजाब विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किये गए। इस अवसर पर जेसी बोस विश्वविद्यालय से डीन इंस्टीट्यूशन्स प्रो. संदीप ग्रोवर, निदेशक (आर एंड डी) प्रो. नरेश चैहान, कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, डॉ. केएस आर्य सहित विभिन्न शिक्षण विभागों के अध्यक्ष भी उपस्थित थे। कुलपति प्रो. तोमर ने अकादमिक समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस समझौता से विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों को पंजाब विश्वविद्यालय की सहभागिता में शोध परियोजनाओं पर काम करने के लिए अवसर मिलेगा। जिससे दोनों विश्वविद्यालयों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की अकादमिक सहभागिता के माध्यम से विश्वविद्यालय का उद्देश्य अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है ताकि शोधकर्ताओं के लिए उभरते क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान करने के ज्यादा से ज्यादा अवसर सृजित हो। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. राज कुमार ने उद्योग एवं अकादमिक संपर्क को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया।

NEWS CLIPPING:25.11.2022

REPCO NEWS

भारत को अपनी पुरानी संस्कृति और शिक्षा को अपनाना होगा : प्रो. के. सी. शर्मा

फरीदाबाद, 24 नवम्बर (रैपको न्यूज़)। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ वाइस चांसलर एंड एक डेमिशियंस (एआईएवीसीए), नई दिल्ली के सहयोग से गौरवशाली भारतीय शिक्षा नीति 2020 पर व्याख्यान सत्र का आयोजन किया।

व्याख्यान सत्र का संचालन विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन सेल (आईआईसी) द्वारा किया गया। हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. के.सी. शर्मा सत्र के मुख्य वक्ता रहे जबकि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो-कुलपति प्रो. सुषमा यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। सत्र की अध्यक्षता जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के पूर्व कुलपति प्रो. लोकेश शेखावत ने की।इस मौके पर एआईएवीसीए के महासचिव डॉ. रणदीप सिंह, पूर्व प्राचार्य भगवती राजपूत और डीएवी कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सविता भगत भी मौजूद रहीं। सत्र की

शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई जिसके बाद माँ सरस्वती की वंदना और विश्वविद्यालय कुलगीत का गायन हुआ।

कुलपति प्रो सुशील कुमार तोमर, जो एआईएवीसीए के उपाध्यक्ष भी हैं, ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया।

उन्होंने संगोष्ठी के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. तोमर ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 देश की संपूर्ण शिक्षा प्रणाली के भारतीयकरण की दिशा में एक ठोस कदम है और विश्वविद्यालय एनईपी-2020 को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सभी प्रयास कर रहा है।

अपने संबोधन में मुख्य वक्ता प्रो. शर्मा ने कहा कि भारत को अपनी पुरानी संस्कृति और शिक्षा को अपनाना होगा। नई शिक्षा नीति उसी पर आधारित है, हालांकि इसमें और सुधार की गुंजाइश है।

उन्होंने शुरूआती और वर्तमान में लागू की गई शिक्षा नीति और खामियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से भारत ने एक बार 1968 में और फिर 1986 में शिक्षा नीतियां लागू कीं। उपनिवेशवाद की अंग्रेजी शिक्षा प्रणाली का प्रारंभिक प्रयासों वैदिक धर्म पर आधारित एक सभ्य राज्य को एक गुलाम मानसिकता वाले राज्य, यानी काले अंग्रेजों में बदलना था।

सभी बिंदुओं पर विचार करते हुए शिक्षा मंत्रालय द्वारा 2.5 लाख से अधिक सुझावों को स्वीकार किया गया था। यह नीति उन लोगों की पहचान करने में मदद करेगी जो पूरी पढ़ाई जारी रखने में असमर्थ है। यह समकालीन और पारंपरिक अध्ययन का एक अच्छा सममिश्रण है। ये सभी भारत को विश्वगुरु के स्तर पर ले जाने में योगदान दे रहे हैं।

एआईएवीसीए के अध्यक्ष प्रो. लोकेश शेखावत ने संस्था के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने मुख्य वक्ताओं के कथनों को आगे बढ़ते हुए कहा कि भारत योद्धाओं का देश है। इसलिए, जब तक हम सब एक साथ लक्ष्य की ओर केंद्रित रहेंगे, तब तक सभी बाधाओं से आसानी से निपटा जा सकता है। मुख्य अतिथि प्रो. कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने सत्र का समापन करते हुए कहा कि यह सत्र समकालीन भारत के विज्ञान, आध्यात्मिकता और व्यावहारिकता का सार प्रस्तुत करता है।

सत्र का समन्वय डीन (कॉलेज) प्रो. तिलक राज और निदेशक (आईक्यूएसी) प्रो. आशुतोष दीक्षित ने किया। फरीदाबाद शहर के विभिन्न कॉलेज से प्रातिनिधियों ने सत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

NEWS CLIPPING:25.11.2022

AMAR UJALA

इंजीनियरिंग व विज्ञान क्षेत्र में अनुसंधान को मिलेगा बढ़ावा

जेसी बोस विज्ञान व प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी और पंजाब विश्वविद्यालय के बीच समझौता

माई सिटी रिपोर्टर

चंडीगढ़। इंजीनियरिंग, विज्ञान और उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान व विकास, नवाचार, प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फरीदाबाद की जेसी बोस विज्ञान व प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी और पंजाब यूनिवर्सिटी ने वीरवार को एक समझौता किया गया। जेसी बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर और पंजाब यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. राजकुमार की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

समझौता ज्ञापन के साथ जेसी बोस विवि के कुलपति प्रो. तोमर व पीयू वीसी प्रो. राज कुमार। अमर उजाला

प्रो. तोमर ने अकादमिक समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस समझौता से विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों को पंजाब यूनिवर्सिटी की सहभागिता में शोध परियोजनाओं पर काम करने के लिए अवसर मिलेगा जिससे दोनों विश्वविद्यालयों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की अकादमिक सहभागिता के माध्यम से विश्वविद्यालय का उद्देश्य अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है ताकि शोधकर्ताओं के लिए उभरते क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान करने के ज्यादा से ज्यादा अवसर सृजित हो। प्रो. राजकुमार ने उद्योग एवं अकादमिक संपर्क को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जेसी बोस विश्वविद्यालय औद्योगिक केंद्र में स्थित है। यह उद्योग से जुड़ी अनुसंधान परियोजनाओं को आसानी से हासिल कर सकता है जिससे दोनों विश्वविद्यालय को ऐसी परियोजनाओं पर मिलकर काम करने का अवसर मिलेगा और उद्योग को समाधान प्रदान करने के लिए दोनों परस्पर विशेषज्ञता को साझा कर सकते हैं। प्रो. राजकुमार ने जेसी विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए पंजाब यूनिवर्सिटी में खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाने की पेशकश की। इस अवसर पर पीयू से सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन लेबोरेटरी के निदेशक प्रो. गंगा राम चौधरी, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी से प्रो. कृष्ण कुमार सलूजा और डॉ. नरेश कुमार ने जेसी बोस विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ बैठक की तथा अनुसंधान एवं परस्पर सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा की।

NEWS CLIPPING:25.11.2022

NAVBHARAT TIMES

जेसी बोस और पंजाब विश्वविद्यालय के बीच समझौता

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : इंजीनियरिंग, विज्ञान और अन्य क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास, नवाचार व प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) ने पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में वाईएमसीए के कुलपति प्रफेसर सुशील कुमार तोमर और पंजाब विश्वविद्यालय के कुलपति प्रफेसर राज कुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान प्रफेसर संदीप ग्रोवर, निदेशक (आरएंडडी) प्रफेसर नरेश चौहान, कुलसचिव डॉ.एसके गर्ग, डॉ.केएस आर्य आदि मौजूद रहे।

NEWS CLIPPING:25.11.2022

ਜੇ.ਸੀ. ਬੋਸ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਉਪ ਕੁਲਪਤੀ ਪ੍ਰੋ: ਐਸ.ਕੇ ਤੋਮਰ, ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਉਪ ਕੁਲਪਤੀ ਪ੍ਰੋ. ਰਾਜ ਕੁਮਾਰ ਸਮਝੌਤੇ ਦੌਰਾਨ ਹੱਥ ਮਿਲਾਉਂਦੇ ਹੋਏ।

ਤਸਵੀਰ : ਗੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ

ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਜੇ.ਸੀ. ਬੋਸ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਵਿਗਿਆਨ ਤੇ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਦੇ ਖੇਤਰ 'ਚ ਵੱਡੀ ਪੁਲਾਂਘ ਪੁੱਟੇਗੀ : ਪ੍ਰੋ: ਰਾਜ ਕੁਮਾਰ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 24 ਨਵੰਬਰ (ਨਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਬੜਿੰਗ)- ਇੰਜਨੀਅਰਿਗ, ਵਿਗਿਆਨ ਅਤੇ ਹੋਰ ਸਹਾਇਕ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿਚ ਖੋਜ ਤੇ ਵਿਕਾਸ, ਨਵੀਨਤਾ ਤੇ ਸਿਖਲਾਈ ਨੂੰ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਕਰਨ ਲਈ ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਨੇ ਜੇ.ਸੀ. ਬੋਸ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਆਫ ਸਾਇੰਸ ਐਂਡ ਟੈਕਨਾਲੋਜੀ ਫ਼ਰੀਦਾਬਾਦ ਨਾਲ ਇਕ ਸਮਝੌਤੇ 'ਤੇ ਹਸਤਾਖ਼ਰ ਕੀਤੇ ਹਨ। ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਉੱਪ ਕੁਲਪਤੀ ਪ੍ਰੋ: ਰਾਜ ਕੁਮਾਰ ਤੇ ਜੇ.ਸੀ. ਬੋਸ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਉਪ ਕੁਲਪਤੀ ਪ੍ਰੋ. ਸੁਸ਼ੀਲ ਕੁਮਾਰ ਤੋਮਰ ਦੀ ਹਾਜ਼ਰੀ ਵਿਚ ਸਹਿਮਤੀ ਪੱਤਰ 'ਤੇ ਹਸਤਾਖ਼ਰ ਕੀਤੇ ਗਏ। ਅਕਾਦਮਿਕ ਤਾਲਮੇਲ 'ਤੇ ਖ਼ੁਸ਼ੀ ਜ਼ਾਹਿਰ ਕਰਦਿਆਂ ਉਪ ਕੁਲਪਤੀ ਪ੍ਰੋ: ਤੋਮਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਸਮਝੌਤਾ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰਾਂ, ਖੋਜਕਰਤਾਵਾਂ ਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨਾਲ ਆਪਸੀ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ ਸਹਿਯੋਗੀ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟਾਂ 'ਤੇ ਕੰਮ ਕਰਨ ਲਈ ਇਕ ਪਲੇਟਫ਼ਾਰਮ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰੇਗਾ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਪ੍ਰੋ: ਰਾਜ ਕੁਮਾਰ ਨੇ ਉਦਯੋਗ-ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਦੇ ਆਪਸੀ ਤਾਲਮੇਲ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ 'ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜੇ.ਸੀ. ਬੋਸ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਉਦਯੋਗਿਕ ਹੱਬ ਦੇ ਕੇਂਦਰ ਵਿਚ ਸਥਿਤ ਹੈ। ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਇੰਸਟੀਚਿਊਟ ਆਫ਼ ਇੰਜਨੀਅਰਿਗ ਐਂਡ ਟੈਕਨਾਲੋਜੀ ਦੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਪ੍ਰੋ: ਗੰਗਾ ਰਾਮ ਚੌਧਰੀ, ਪ੍ਰੋ: ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਕੁਮਾਰ ਸਲੂਜਾ ਤੇ ਡਾ: ਨਰੇਸ਼ ਕੁਮਾਰ ਦੀ ਪੀ.ਯੂ. ਟੀਮ ਨੇ ਵੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨਾਲ ਮੀਟਿੰਗ ਕਰਕੇ ਖੋਜ ਤੇ ਵਿਗਿਆਨ ਦੇ ਖੇਤਰ ਬਾਰੇ ਚਰਚਾ ਕੀਤੀ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਡੀਨ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਪ੍ਰੋ: ਸੰਦੀਪ ਗਰੋਵਰ, ਖੋਜ ਤੇ ਵਿਕਾਸ ਨਿਰਦੇਸ਼ਕ ਪ੍ਰੋ: ਨਰੇਸ਼ ਚੌਹਾਨ, ਰਜਿਸਟਰਾਰ ਡਾ: ਐਸ.ਕੇ. ਗਰਗ, ਡਾ: ਕੇ.ਐਸ. ਆਰੀਆ ਤੇ ਜੇ.ਸੀ. ਬੋਸ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਅਧਿਆਪਨ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੇ ਚੇਅਰਪਰਸਨ ਵੀ ਇਸ ਮੌਕੇ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ।

NEWS CLIPPING:25.11.2022

DAINIK SAVERA

अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए जे.सी. बोस विवि और पीयू में हुआ समझौता

- **दोनों विश्वविद्यालय मिलकर अनुसंधान, नवाचार तथा प्रशिक्षण गतिविधियों पर काम करेंगे**

सवेरा न्यूज/ राकेश शर्मा

चंडीगढ़, 24 नवंबर: इंजीनियरिंग, विज्ञान तथा अन्य संबद्ध उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास, नवाचार तथा प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फरीदाबाद के जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए ने पंजाब विश्वविद्यालय के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यहां आयोजित एक कार्यक्रम में जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर और पंजाब विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किये गए। इस अवसर पर जे.सी. बोस विश्वविद्यालय से डीन इंस्टीट्यूशन्स प्रो. संदीप ग्रोवर, निदेशक (आर एंड डी) प्रो. नरेश चैहान, कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग, डॉ. के. एस. आर्य सहित विभिन्न शिक्षण विभागों के अध्यक्ष भी उपस्थित थे। कुलपति प्रो. तोमर ने अकादमिक समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस समझौता से विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों को पंजाब विश्वविद्यालय की सहभागिता में शोध परियोजनाओं पर काम करने के लिए अवसर मिलेगा, जिससे दोनों विश्वविद्यालयों को लाभ होगा।

पीयू के वी.सी. प्रो. राजकुमार व जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार एमओयू को दिखाते हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. राज कुमार ने उद्योग एवं अकादमिक संपर्क को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. राज कुमार ने जे.सी. विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए पंजाब विश्वविद्यालय में खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाने की पेशकश की। उन्होंने कहा कि पंजाब विश्वविद्यालय खेलों में अग्रणी है और यहां विश्व स्तरीय खेल सुविधाएं हैं। जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने के लिए पंजाब विश्वविद्यालय तैयार है।

इस अवसर पर पंजाब विश्वविद्यालय से सैंट्रल इंस्ट्रूमैंटेशन लैबोरेटरी के निदेशक प्रो. गंगा राम चैधरी, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी से प्रो. कृष्ण कुमार सलूजा और डॉ. नरेश कुमार ने जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ बैठक की तथा अनुसंधान एवं परस्पर सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा की। समझौते के उद्देश्यों को पूरा करने हेतु दोनों विश्वविद्यालयों द्वारा समन्वयकों की नियुक्ति भी की गई है। विश्वविद्यालय के समन्वयक वार्षिक आधार पर सहयोगी गतिविधियों की समीक्षा करेंगे और रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

NEWS CLIPPING:25.11.2022

पीयू और जेसी बोस यूनिवर्सिटी में समझौता

पंजाब यूनिवर्सिटी और फरीदाबाद स्थित जेसी बोस यूनिवर्सिटी के बीच शैक्षणिक, रिसर्च और खेल सुविधाओं के आपसी प्रयोग को लेकर समझौता हुआ। इस मौके पर जेसी बोस यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो .एसके तोमर और पीयू कुलपति डा .राजकुमार सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे ●डीपीआर पीयू

NEWS CLIPPING:25.11.2022

ROZANA SPOKESMAN

ਪੀਯੂ ਅਤੇ ਜੇ.ਸੀ. ਬੋਸ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਵਿਚਕਾਰ ਖੋਜ ਕਾਰਜ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਲਈ ਲਿਖਤੀ ਕਰਾਰ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 24 ਨਵੰਬਰ (ਬਠਲਾਣਾ): ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਅਤੇ ਜੇ.ਸੀ. ਬੋਸ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ, ਫ਼ਰੀਦਾਬਾਦ ਵਿਚਕਾਰ ਖੋਜ ਕਾਰਜ ਮਿਲ ਕੇ ਕਰਨ ਲਈ ਅੱਜ ਇਕ ਲਿਖਤੀ ਅਹਿਦਨਾਮਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।

ਪੀ.ਯੂ. ਦੇ ਵੀ.ਸੀ. ਪ੍ਰੋ. ਰਾਜ ਕੁਮਾਰ ਅਤੇ ਜੇ.ਸੀ ਬੋਸ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦੇ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਪ੍ਰੋ. ਐਸ.ਕੇ. ਤੋਮਰ ਨੇ ਇਸ ਸਮਝੌਤੇ ਤੇ ਮੋਹਰ ਲਗਾਈ। ਜਿਥੇ ਪ੍ਰੋ. ਤੋਮਰ ਨੇ ਦੋਵੇਂ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀਆਂ

ਵਿਚਕਾਰ ਫ਼ੈਕਲਟੀ ਦੇ ਅਦਾਨ ਪ੍ਰਦਾਨ ਦੀ ਪੇਸ਼ਕਸ਼ ਕੀਤੀ ਉਥੇ ਹੀ ਪ੍ਰੋ. ਰਾਜ ਕੁਮਾਰ ਨੇ ਖੇਡਾਂ ਦੇ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਸਹਿਯੋਗ ਦੀ ਗੱਲ ਕੀਤੀ।

NEWS CLIPPING:25.11.2022

HINDUSTAN TIMES

PU inks pact for research promotion

CHANDIGARH: Panjab University (PU) has signed a memorandum of understanding (MoU) with JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, to promote research and development, innovation, and training in emerging areas of engineering, sciences, and other allied areas. Both universities have appointed coordinators who will be responsible for managing the development and conduct of collaborative activities. They will review the collaborative activity between the institutes on an annual basis and prepare a report. HTC

NEWS CLIPPING:25.11.2022

HINDUSTAN

सैनिक स्कूल में 30 तक आवेदन

फरीदाबाद, संवाददाता। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में गुरुवार को परिचर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान यहां प्रो. राज कुमार मुख्य वक्ता रहे।

उन्होनूंह, संवाददाता। सैनिक स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में कक्षा छठी और नौवीं कक्षा में प्रवेश लेने के लिए इच्छुक छात्रों से 30 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन कक्षाओं में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा आठ जनवरी 2023 को आयोजित की जाएगी।

दाखिले संबंधी जानकारी वेबसाइट पर है। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 में सैनिक स्कूल में कक्षा छठी में सौ बच्चों को और कक्षा नौवीं में 40 बच्चों को प्रवेश दिया जाएगा।